an>

title: Need to develop firing range in Meerut as Baffle firing range.

**श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ):** सभापति जी, आज़ादी के समय से मेरठ छावनी स्थित फायरिंग रेंज में A से लेकर I तक कुल नौ बट्स थे जिनमें बाद में छः बट्स बंद हो गए -A, B, C, D, H तथा I, अब सिर्फ 3 बट्स ही काम कर रहे हैं। इन बट्स में खुले आकाश के नीचे मिट्टी के टीले बनाकर फायरिंग की जाती है जिनसे चलने वाली गोलियाँ लगभग तीन साढ़े तीन किलोमीटर तक निकल जाती हैं जिसकी चपेट में आने से आसपास के गाँवों के लोग घायल हो जाते हैं। इसकी वजह से सोफीपुर, मामेपुर, ललसाना और उल्देपुर के ग्रामीणों और पशुओं की सुरक्षा खतरे में रहती है। बफल रेंज के तहत बनाई जाने वाली विशेÂष तरह की फायरिंग रेंज चहारदीवारी के अन्दर होती है तथा इसमें ऊपर से नीचे की ओर फायरिंग की जाती है। इस रेंज में चलने वाली गोलियों के छिटकने या आम जनता के घायल होने की आशंका कम होती है। मेरठ छावनी में ऐसी रेंज के लिए पर्याप्त 3.5 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र भी उपलब्ध है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरठ में भी राजस्थान के पोकरण की तर्ज पर बफल फायरिंग रेंज का निर्माण किया जाये, जिससे न केवल मेरठ की फायरिंग रेंज डेंजर जोन में चिन्हित होने के दायरे से बाहर होगी, बल्कि आसपास के सोफीपुर, मामेपुर, ललसाना व उल्देपुर के ग्रामीणों व पशुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। आपने अवसर दिया, उसके लिए धन्यवाद।

**माननीय सभापति:**

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजेन्द्र अग्रवाल के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।